Seventeenth Loksabha

an>

Title:Demand to extend existing airports in Himachal Pradesh.

श्रीमती प्रतिभा सिंह (मंडी) :सभापति महोदय, आपने मुझे बोलने के लिए सुअवसर प्रदान किया, इसके लिए आपका बहुत-बहुत धन्यवाद ।

महोदय, मैं हिमाचल प्रदेश से आती हूँ । यह बहुत ही छोटा-सा प्रदेश है । परंतु, पर्यटन की दृष्टि से बहुत ही महत्वपूर्ण है । आज मैं आपके माध्यम से सरकार के ध्यान में यह बात लाना चाहती हूँ कि हमारे पास तीन एयरपोर्ट्स हैं, जो कि बहुत ही छोटे हैं । उनकी एक्स्टेंशन न होने की वजह से वहाँ हम बड़े प्लेन नहीं ले जा सकते हैं । वहाँ जो छोटा प्लेन जाता है, वह 20 सीटर्स प्लेन है । उसमें 20 यात्री सफर कर सकते हैं । उसका जो भाड़ा है, वह कई बार आकाश को छूता है । आम व्यक्ति उससे सफर नहीं कर पाता है । मैं आपके माध्यम से सरकार के ध्यान में यह बात लाना चाहती हूँ ।

महोदय, हमारा हिमाचल प्रदेश एक महत्वपूर्ण स्टेट है । यह फलों के लिए जाना जाता है, टूरिज्म के लिए जाना जाता है । केवल भारत से ही नहीं, बल्कि विदेशों से भी टूरिस्ट हिमाचल प्रदेश आना चाहते हैं । 15-20 घंटे का सफर कोई भी नहीं करना चाहता है । अगर आपको दिल्ली से भी कुल्लु, शिमला और धर्मशाला पहुँचना है तो कम से कम 10-12 घंटे लगते हैं । इसलिए, हमारे बहुत से टूरिस्ट्स डेस्टिनेशन तक नहीं पहुँच पाते हैं । मैं आपके माध्यम से सरकार से यह कहना चाहती हूँ, अगर पर्यटन की दृष्टि से देखा जाए तो जहाँ हिमाचल प्रदेश में इतना सौंदर्य हैं, इतने हरे-भरे बाग-बगीचे हैं, पर्यावरण इतना सुंदर है, बहुत से लोग वहाँ जाकर उसका आनंद लेना चाहते हैं ।

सर, मैं आपके माध्यम से केवल यह मांग करना चाहती हूं कि हमें इन एयरपोर्ट्स को एक्सटेंड करने की अनुमति मिले, हम इनको एक्सटेंड कर सकें । इसके तहत ही हमारा टूरिज्म वहां फल-फूल सकता है । बहुत-बहुत धन्यवाद ।